

।।माँशुतर-१।।

दीपङ्कर दशगुप्त

ज्यामितीर माँशुतर सीताराम सरखेल
हृत्तरेर माथाखाना भावलैन नारकेल।
अन्ततः षाट-टा
मारलैन गाँट्टा
भेङ्गे होल मुणुटा दुटो सेमि-सारकेल!

कलकता, प्राक १९९०।

।।माँशुतर-२।।

दीपङ्कर दशगुप्त

नीलमणि माँशुतर, अतीव नमस्य,
गाथा पिटे प्रत्यह वानातेन अशु।
अशुेरा पाडे डिम,
ताई देखे हिमसिम,
खेये देश हाडलैन, मुखे चिताभस्म!

कलकता, प्राक १९९०।

।।माँठार-७।।

दीपङ्कर दशगुप्त

ওয়ালম্যাপ ঘাড়ে করে বেলারাগী দাস
ভূগোল পড়াতে যান -- বারোটায় ক্লাস।
ম্যাপখানা যেই খোলা
তেড়ে এলো আরশোলা
বেলারাগী এক লাফে খাইবার পাস!

কলকাতা, প্রাক ১৯৯০।

।।ঘুমচুরি।।

दीपङ्कर दशगुप्त

মাঝরাতে আক্রোশে কেন ঝাঁকে ঝাঁক
নিদ্রাবিনাশী রবে ডাকে পাতিকাক?
বায়স যদি বা যায়
শয়ন তবুও দায়
বিছানাতে গরজায় গৃহিণীর নাক!

কলকাতা, ১৯শে নভেম্বর, ২০০১।